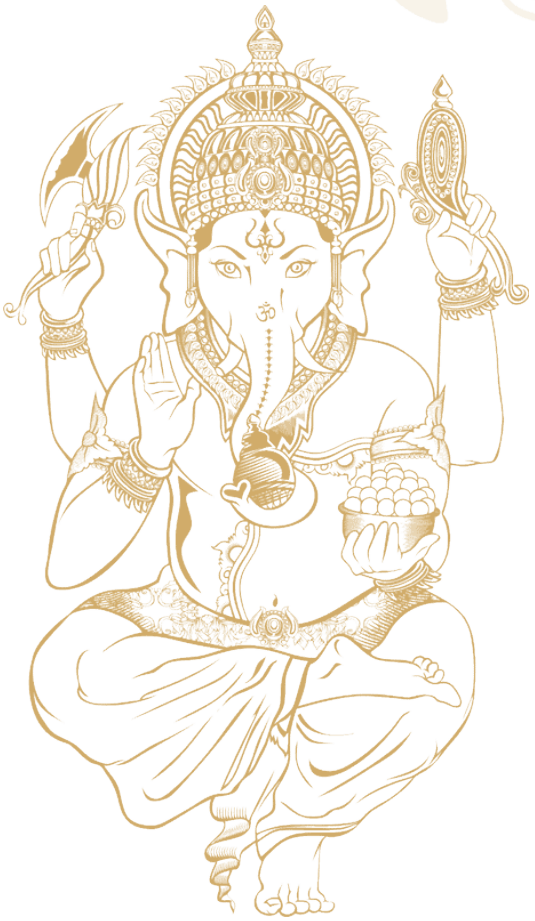

Subhash B Gaikwad

26 Feb 1980

08:15 AM

Sangli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121599706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/1980**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	03:26:21 घटी
स्थान	**Sangli**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	16:55:00 उत्तर
रेखांश	74:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:43:28 घंटे
वेलान्तर	-00:13:07 घंटे
साम्पातिक काल	18:03:57 घंटे
सूर्योदय	06:52:27 घंटे
सूर्यास्त	18:36:55 घंटे
दिनमान	11:44:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:10:59 कुम्भ
लग्न के अंश	07:45:46 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	07:45:46	453:09:03	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
सूर्य			कुंभ	13:10:59	01:00:19	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	20:19:45	12:30:55	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		सिंह	11:57:11	00:23:50	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध	व		कुंभ	28:01:41	00:00:30	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		सिंह	11:37:58	00:07:53	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मीन	25:28:07	01:09:23	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि	व		कन्या	01:28:47	00:04:22	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु			सिंह	05:49:10	00:00:52	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	05:49:10	00:00:52	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	02:05:17	00:00:10	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
नेप			वृश्चि	28:59:11	00:00:55	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो	व		कन्या	28:00:03	00:01:03	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
दशम भाव			धनु	07:25:44	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

के.पी. अयनांश : 23:28:38

लग्न-चलित

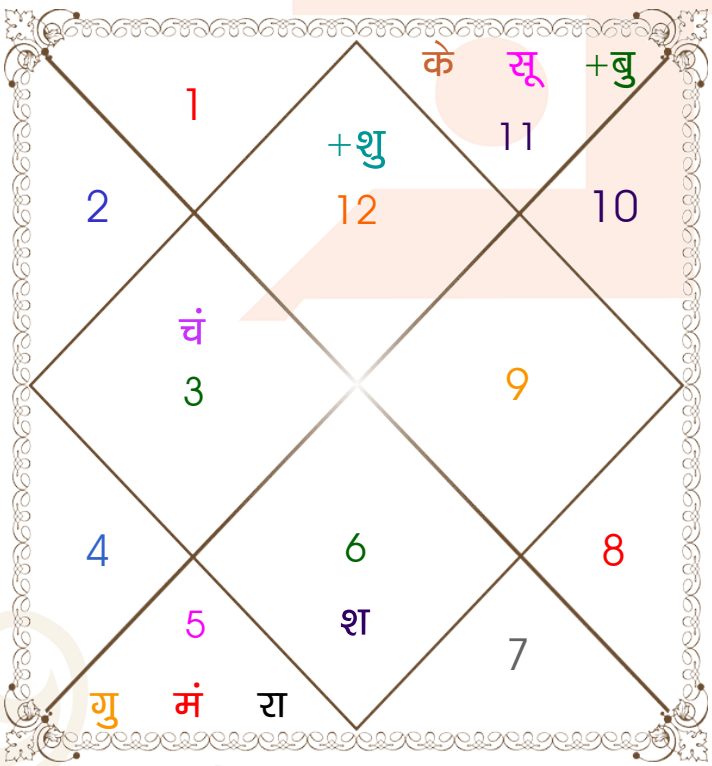

चन्द्र कुंडली

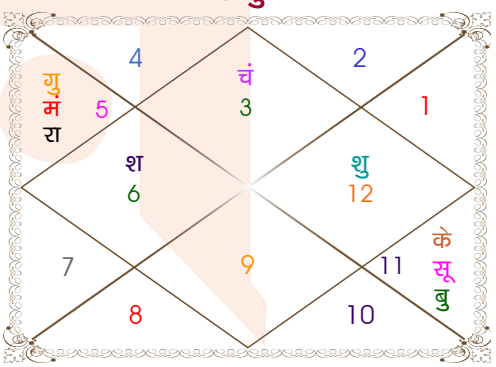

नवमांश कुंडली

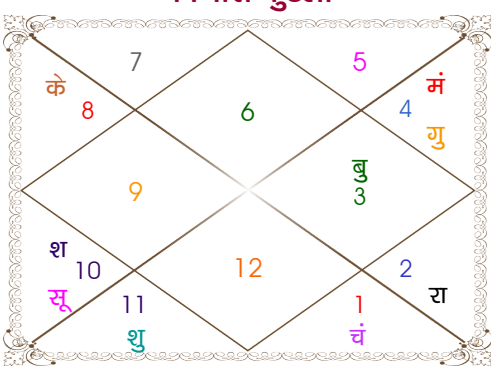

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 7 मास 7 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/02/1980		05/10/1995		04/10/2014		05/10/2031		04/10/2038	
05/10/1995		04/10/2014		05/10/2031		04/10/2038		04/10/2058	
गुरु	22/11/1981	शनि	07/10/1998	बुध	02/03/2017	केतु	02/03/2032	शुक्र	03/02/2042
शनि	04/06/1984	बुध	17/06/2001	केतु	27/02/2018	शुक्र	02/05/2033	सूर्य	03/02/2043
बुध	10/09/1986	केतु	26/07/2002	शुक्र	28/12/2020	सूर्य	07/09/2033	चंद्र	04/10/2044
केतु	17/08/1987	शुक्र	25/09/2005	सूर्य	04/11/2021	चंद्र	08/04/2034	मंगल	04/12/2045
शुक्र	17/04/1990	सूर्य	07/09/2006	चंद्र	05/04/2023	मंगल	04/09/2034	राहु	04/12/2048
सूर्य	03/02/1991	चंद्र	07/04/2008	मंगल	01/04/2024	राहु	22/09/2035	गुरु	05/08/2051
चंद्र	04/06/1992	मंगल	17/05/2009	राहु	20/10/2026	गुरु	28/08/2036	शनि	04/10/2054
मंगल	11/05/1993	राहु	23/03/2012	गुरु	24/01/2029	शनि	07/10/2037	बुध	04/08/2057
राहु	05/10/1995	गुरु	04/10/2014	शनि	05/10/2031	बुध	04/10/2038	केतु	04/10/2058

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/10/2058		04/10/2064		04/10/2074		04/10/2081		05/10/2099	
04/10/2064		04/10/2074		04/10/2081		05/10/2099		00/00/0000	
सूर्य	22/01/2059	चंद्र	04/08/2065	मंगल	02/03/2075	राहु	16/06/2084	गुरु	26/02/2100
चंद्र	24/07/2059	मंगल	05/03/2066	राहु	20/03/2076	गुरु	10/11/2086		00/00/0000
मंगल	28/11/2059	राहु	04/09/2067	गुरु	24/02/2077	शनि	16/09/2089		00/00/0000
राहु	22/10/2060	गुरु	03/01/2069	शनि	05/04/2078	बुध	04/04/2092		00/00/0000
गुरु	10/08/2061	शनि	04/08/2070	बुध	02/04/2079	केतु	23/04/2093		00/00/0000
शनि	23/07/2062	बुध	04/01/2072	केतु	29/08/2079	शुक्र	22/04/2096		00/00/0000
बुध	30/05/2063	केतु	04/08/2072	शुक्र	28/10/2080	सूर्य	17/03/2097		00/00/0000
केतु	05/10/2063	शुक्र	05/04/2074	सूर्य	05/03/2081	चंद्र	16/09/2098		00/00/0000
शुक्र	04/10/2064	सूर्य	04/10/2074	चंद्र	04/10/2081	मंगल	05/10/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 7 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।